JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER V - JAIN CANONICAL LITERATURE

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र के अनुसार पुनर्जन्मवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Clarify the concept of Re-birth on the basis of Acharanga Sutra.

अथवा / OR

आचारांग सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।
Throw light on the subject metter of Acharanga Sutra.

प्र. 2. संसार से मुक्त कौन हैं? पाठ्यानुसार जन्म–मरण की परम्परा को समझाइए।
Who is librated form the world? Explain the tradition of birth and death according to text.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the main theme of Sutrakritanga.

प्र. 3. भगवती सूत्र के आधार पर कर्म वेदना और कर्म निर्जरा को स्पष्ट करें।
Clarify the concept of Karm Vedana and Karma Nirjara on the basis of Bhagvati Sutra.

अथवा / OR

भगवती सूत्र में प्रतिपादित जीव एवं शरीर के सम्बन्ध को विस्तार से समझाए।
Explain in detail the relation between soul and body mentioned in Bhagvati Sutra.

प्र. 4. दश्वैकालिक का परिचय दीजिए तथा साधु की गोचरी एवं मधुकरीवृत्ति पर प्रकाश डालिए।
Give an introduction of the text Dasvaikalika and throw light on the Gochari and Madhukari vrtti of Sadhu.

अथवा / OR

उत्तराध्ययन सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the main theme of 'Uttaradhyana Sutra'.

प्र. 5. समयसार के अनुसार आत्मवाद पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Atmavada according to Samayasara.

अथवा / OR

निम्न की व्याख्या कीजिए– / Explain the following-

(i) भूदत्थेणाभिगदा जीवाजीवा य पुण्णपावं च।
आसवसंवरणिज्जरबंधो मोक्खो य सम्मत्तं।।

(ii) जो पस्सदि अप्पाणं, अबुद्धपुट्ठं अणण्णयं णियदं।
अविसेसमसंजुत्त तं सुद्धणयं वियाणीहि।।

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VI - ANEKANTA, NAYA, NIKSHEPA AND SYADAVAD

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचार्य सिद्धसेन द्वारा जैन दर्शन को किये गये योगदान को रेखांकित करें। Evaluate the contribution of Acharya Siddhasena to Jain Philosophy.

अथवा / OR

'नय' से आप क्या समझते हैं? इसका महत्व क्या है? ऋजुसूत्र नय व एवम्भूत नय पर प्रकाश डालें। / What is meant by Naya? What is its importance? Throw light on Rijusutra Naya and Evambhuta Naya.

प्र. 2. सन्मति प्रकरण में प्रतिपादित व्यञ्जन पर्याय व अर्थपर्याय के अन्तर को स्पष्ट करें। व्यञ्जन पर्याय के अवान्तर भेदों में एकान्त अभेद है या भेद?

Differentiate the Vyanjan Paryaya and Artha Paryaya as described in Sanmati Prakaran. Is there Ekanta Abheda or Bheda among the sub-kinds of Vyanjan-Paryaya?

अथवा / OR

उत्पाद–व्यय–ध्रौव्य के भेदाभेदवाद को व्याख्यायित करें।

Explain Bhedabhedavada with regards to Utpada-Vyaya-Dhrouvya (origination, cessation and permanence).

प्र. 3. गुण, पर्याय व द्रव्य के मध्य भेद का अभेद के विषय में आचार्य सिद्धसेन के विचारों को स्पष्ट करें।

Explain the view of Acharya Siddhasena regarding the difference or identity among Guna, Paryaya and Dravya.

अथवा / OR

एक ही वस्तु में अस्तित्त्व व नास्तित्त्व कैसे संगत होते हैं? द्रव्य व गुण परस्पर भिन्न हैं या अभिन्न? आचार्य सिद्धसेन के अभिमत को प्रस्तुत करें।

How Form of affirmation (Astitva) and Form of Negation (Nastitva) are justified in one substance? Are Substance (Dravya) and Quality (Guna) are different from each other or not? State the opinion of Acharya Siddhasena.

प्र. 4. द्रव्य के स्वरूप चतुष्टय व पररूप चतुष्टय से क्या तात्पर्य है? सप्तभंगी के नियोजन में इनका प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट करें

What is meant by Svarupa-Chatustya and Pararupa-Chatustya? How these are used in applying Saptabhangi (Theory of sevenfold predications)?

अथवा / OR

अनेकान्त दृष्टि को वाणी द्वारा अभिव्यक्त करने की पद्धति स्याद्वाद है। इस उक्ति पर अपने विचार प्रकट करें।

Express your views regarding the statement: Syadvada is the dialectical presentation of Anekanta attitude.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) पर्यायास्तिक नय / Paryayastika Naya

(ii) स्याद् अवक्तव्य / Syad-Avaktavya

(iii) प्रमाण, नय, दुर्नय / Pramana, Naya, Durnayha

(iv) गुण–पर्याय–द्रव्य / Guna-Paryaya-Dravya

(v) अनुयोग द्वार सूत्र / Anuyogadwara Sutra

(vi) सप्तभंगी / Saptabhangi

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VII - JAIN RELIGION PHILOSOPHY AND INDIAN RELIGION PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन एवं सांख्य दर्शन के अनुसार कारण–कार्यवाद पर तुलनात्मक विवेचन कीजिए।
Write a comparative study on cause and effect theory according to Jain and Samkhya Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार आत्मा का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Soul according to Jain & Vedanta Philosophy.

प्र. 2. 'अहिंसा सर्वश्रेष्ठ धर्म है', भारतीय दर्शन के परिपेक्ष्य में सिद्ध कीजिए।
'Non-violence is the best religion', Prove it in perspective of Indian Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार अहिंसा सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
Explain the theory of Non-violence according to Jain & Baudha Philosophy.

प्र. 3. योग एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार अपरिग्रह सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
Explain the theory of Non-passession according to Yoga and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

जैन व्रतों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।
Explain in details the Jain Vratas (Vows).

प्र. 4. भारतीय दर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद की व्याख्या कीजिए।
Explain Anekantavada according to Indian Philosophy.

अथवा / OR

जैन न्याय परम्परा की व्याख्या कीजिए।
Explain the tradition of Jain Logic.

प्र. 5. न्याय की प्रमाण मीमांसा पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Nyaya's Praman-mimansa.

अथवा / OR

जैन और वेदान्त की अविद्या पर प्रकाश डालिए।
Throw light on Jain and Vedant's Avidya.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VIII - JAIN RELIGION PHILOSOPHY AND NON-INDIAN RELIGION PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तू के दर्शन में द्रव्य का क्या स्वरूप है? उसे विस्तार से लिखो।

What is the nature of substance in philosophy of Aristotle? Explain in detail.

अथवा / OR

पाश्चात्यदर्शन में आत्मा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Soul in western philosophy.

प्र. 2. डेकार्ट के द्वैतवाद एवं जैनदर्शन के द्वैतवाद की तुलना कीजिए।

Compare the dualism of Decort and Jain Philosophy.

अथवा / OR

काण्ट के देश और काल की अवधारणा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Clarify in brief the concept of space and time according to Kant.

प्र. 3. लाइबनीज की चिदणुवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of monad of Leibnitz.

अथवा / OR

स्पिनोजा के अनुसार द्रव्य का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of substance according to Spinoza.

प्र. 4. आर्थिक विषमता और अपरिग्रह पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on economical imbalance and non-passession.

अथवा / OR

ह्यूम और जैन दर्शन के कारण–कार्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

Explain the relation of cause and effect according to Hume and Jain Philosophy.

प्र. 5. कन्फ्यूशियस एवं जैनधर्म में ईश्वर की अवधारणा की तुलना कीजिए।

Compare the concept of God in Confucious and Jain Religion.

अथवा / OR

पाश्चात्य दर्शन और जैन दर्शन के जगत् विचार का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Compare the concept of world (Jagat) according to western philosophy and Jain philosophy.

♦♦♦